101

301(HG)

2025

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड – क

1. (क) आधुनिक हिन्दी एकांकी का जनक माना जाता है

(i) भुवनेश्वर प्रसाद को (ii) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' को

(iii) विष्णु प्रभाकर को (iv) रामकुमार वर्मा को । 1

(ख) रामविलास शर्मा द्वारा लिखित कृति है

(i) 'चंपारण में महात्मा गांधी' (ii) 'कलम का सिपाही'

(iii) 'निराला की साहित्य-साधना' (iv) 'अपनी खबर' । 1

(ग) 'भाषा और आधुनिकता' निबन्ध के लेखक हैं

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) प्रो० जी० सुंदर रेड्डी

(iii) जैनेन्द्र कुमार (iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी । 1

(घ) निम्न में से जैनेन्द्र कुमार की उपन्यास-विधा पर आधारित रचना नहीं है

(i) 'त्यागपत्र' (ii) 'व्यतीत' (iii) 'प्रस्तुत-प्रश्न' (iv) 'परख' । 1

(ङ) 'हम और हमारा आदर्श' शीर्षक निबन्ध में लेखक ने विकसित देशों की समृद्धि के प्रकरण में किस 'राष्ट्र-समूह' का उल्लेख किया है ?

(i) G-7 (ii) G-8 (iii) G-20 (iv) नाटो । 1

2. (क) 'बहुत हमने फैलाये धर्म, बढ़ाया छुआछूत का कर्म' – इस काव्य पंक्ति के रचयिता हैं

(i) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (iv) मैथिलीशरण गुप्त । 1

(ख) किस काव्यान्दोलन को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' माना जाता है ?

(i) 'भारतेन्दु-युग' को (ii) 'छायावाद' को

(iii) 'प्रगतिवाद' को (iv) 'प्रयोगवाद' को । 1

(ग) 'तारसप्तक' के कवि नहीं हैं

(i) नेमिचन्द्र जैन (ii) गिरिजाकुमार माथुर

(iii) रामविलास शर्मा (iv) शमशेरबहादुर सिंह । 1

(घ) 'प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना हुई

(i) सन् 1935 ई० में (ii) सन् 1943 ई० में

(iii) सन् 1918 ई० में (iv) सन् 1936 ई० में । 1

(ङ) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' द्वारा सम्पादित पत्रिका है

(i) 'ब्राह्मण' (ii) 'आनन्द कादम्बिनी'

(iii) 'प्रतीक' (iv) 'मर्यादा' । 1

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

पाश्चात्य जगत् ने भौतिक उन्नति तो की, किन्तु उसकी आध्यात्मिक अनुभूति पिछड़ गयी । भारत भौतिक दृष्टि से पिछड़ गया और इसलिए उसकी आध्यात्मिकता शब्दमात्र रह गयी । 'नाऽयमात्मा बलहीनेन लभ्यः' - अशक्त आत्मानुभूति नहीं कर सकता । बिना अभ्युदय के निःश्रेयस की सिद्धि नहीं होती । अतः आवश्यक है कि 'बलमुपास्य' के आदेश के अनुसार हम बल-संवर्द्धन करें, अभ्युदय के लिए प्रयत्नशील हों, जिससे अपने रोगों को दूर कर स्वास्थ्यलाभ कर सकें तथा विश्व के लिए भार न बनकर उसकी प्रगति में साधक और सहायक हो सकें ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक के नाम लिखिए ।

(ii) भारत की क्या चीज शब्दमात्र रह गयी और क्यों ?

(iii) पाश्चात्य जगत् ने किस क्षेत्र में उन्नति की ?

(iv) 'अशक्त' तथा 'संवर्द्धन' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

निन्दा का उद्‌गम ही हीनता और कमजोरी से होता है । मनुष्य अपनी हीनता से दबता है । वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है । उसके अहं की इससे तुष्टि होती है । बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बड़ी बनती है । ज्यों-ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों-त्यों निंदा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है । कठिन कर्म ही ईर्ष्या-द्वेष और उससे उत्पन्न निन्दा को मारता है । इन्द्र बड़ा ईर्ष्यालु माना जाता है । क्योंकि, वह निठल्ला है । स्वर्ग में देवताओं को बिना उगाया अन्न, बे-बनाया महल और बिन-बोये फल मिलते हैं । अकर्मण्यता में उन्हें अप्रतिष्ठित होने का भय बना रहता है, इसलिए कर्मी मनुष्यों से उन्हें ईर्ष्या होती है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक के नाम लिखिए ।

(ii) मनुष्य दूसरों की निन्दा करके कैसा अनुभव करता है ?

(iii) देवताओं को कर्मी मनुष्यों से क्यों ईर्ष्या होती है ?

(iv) 'उद्‌गम' तथा 'निठल्ला' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $5 \times 2 = 10$

निरख सखी, ये खंजन आये,
फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये !
फैला उनके तन का आतप, मन में सर सरसाये,
घूमें वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ उड़ छाये !
करके ध्यान आज इस जन का निश्चय वे मुसकाये,
फूल उठे हैं कमल, अधर-से यह बन्धूक सुहाये ।
स्वागत, स्वागत, शरद, भाग्य से मैंने दर्शन पाये,
नभ ने मोती वारे, लो, ये अश्रु अर्घ्य भर लाये ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और रचयिता के नाम लिखिए ।

(ii) इस पद्यांश में किस ऋतु का वर्णन किया गया है ?

(iii) सखी को खंजन पक्षी कौन दिखा रहा है ?

(iv) 'रंजन' तथा 'आतप' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

छायाएँ मानव-जन की
दिशाहीन
सब ओर पड़ीं - वह सूरज
नहीं उगा था पूरब में, वह
बरसा सहसा
बीचो-बीच नगर के
काल-सूर्य के रथ के
पहियों के ज्यों अरे टूट कर
बिखर गये हों
दसों दिशा में ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और कवि के नाम लिखिए ।

(ii) मानव-जन की छायाएँ दिशाहीन सब ओर क्यों पड़ीं ?

(iii) दस दिशाएँ कौन-कौन-सी हैं ?

(iv) किस नगर के बीचो-बीच किस प्रकार का सूरज उगा था ?

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए :

(अधिकतम शब्द-सीमा **80** शब्द) 3 + 2 = 5

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iii) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए :

(अधिकतम शब्द-सीमा **80** शब्द) 3 + 2 = 5

(i) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

(ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ।

6. 'लाटी' **अथवा** 'खून का रिश्ता' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए । (अधिकतम शब्द-सीमा **80** शब्द)

अथवा

'पंचलाइट' **अथवा** 'ध्रुवतारा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा **80** शब्द)

पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए ।

(अधिकतम शब्द-सीमा **80** शब्द)

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'नायक' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

(ग) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' की चारित्रिक विशेषताएँ उद्घाटित कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए ।

(ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर उसकी नायिका का चरित्रांकन कीजिए ।

(च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए ।

खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

याज्ञवल्क्य उवाच - न वा अरे मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति । न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति । तस्माद् आत्मा वा अरे मैत्रेयि ! द्रष्टव्यः दर्शनार्थं श्रोतव्यः, मन्तव्यः निदिध्यासितव्यश्च । आत्मनः खलु दर्शनेन इदं सर्वं विदितं भवति ।

अथवा

महापुरुषाः लौकिक-प्रलोभनेषु बद्धाः नियतलक्ष्यात्र कदापि भ्रश्यन्ति । देशसेवानुरक्तोऽयं युवा उच्चन्यायालयस्य परिधौ स्थानुं नाशक्नोत् । पण्डित मोतीलालनेहरू - लाला लाजपतराय-प्रभृतिभिः अन्यैः राष्ट्रनायकैः सह सोऽपि देशस्य स्वतन्त्रतासंग्रामेऽवतीर्णः । देहल्यां त्रयोविंशतितमे कांग्रेस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलङ्कृतवान् । 'रोलट एक्ट' इत्याख्यस्य विरोधोऽस्य ओजस्विभाषणं श्रुत्वा आंग्लशासकाः भीताः जाताः । बहुवारं कारागारे निक्षिप्तोऽपि अयं वीरः देशसेवाव्रतं नात्यजत् ।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी **एक** का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

काव्यशास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ।।

—अथवा

प्रस्तरेषु च रम्येषु विविधाः काननद्रुमाः
वायुवेग प्रचलिताः पुष्पैरवकिरन्ति गाम् ।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए । 2 + 2 = 4

(क) चत्वारो वेदाः कस्याम् भाषायाम् लिखितानि सन्ति ?

(ख) हंसपोतिका पतिरूपेण कम् अवृणोत् ?

(ग) दयानन्दस्य गुरुः कः आसीत् ?

(घ) बुद्धस्य पञ्चशीलसिद्धान्ताः के सन्ति ?

10. (क) 'संयोग शृंगार' रस **अथवा** 'करुण रस' की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'रूपक' अलंकार **अथवा** 'प्रतीप अलंकार' की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'सोरठा' छन्द **अथवा** 'बसन्ततिलका' छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 1 + 1 = 2

11. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(क) भारत में आतंकवाद : कारण और समाधान

(ख) छात्र और अनुशासन

(ग) पर्यावरण-प्रदूषण की समस्या और समाधान

(घ) मद्य-निषेध की आवश्यकता

(ङ) 'नयी शिक्षा नीति' की प्रासंगिकता ।

12. (क) (i) 'भवति' शब्द का सन्धि-विच्छेद है

(अ) भो + अति (ब) भौ + अति

(स) भव + अति (द) भ + वति । 1

(ii) 'कश्चित्' का सन्धि-विच्छेद होगा

(अ) कष् + चित् (ब) कस् + चित्

(स) कश् + चित् (द) कः + चित । 1

(iii) 'निस्तारणम्' शब्द का सन्धि-विच्छेद है

(अ) निस + तारणम् (ब) निस्त + आरणम्

(स) निः + तारणम् (द) निष् + तारणम् । 1

(ख) (i) 'महादेवः' शब्द में समास है

(अ) अव्ययीभाव (ब) कर्मधारय

(स) तत्पुरुष (द) द्वन्द्व । 1

(ii) 'प्रत्येकः' शब्द में समास है

(अ) बहुव्रीहि (ब) द्विगु

(स) अव्ययीभाव (द) कर्मधारय । 1

13. (क) (i) 'मुग्धः' शब्द में प्रत्यय है

(अ) क्त्वा (ब) त्व

(स) क्त (द) वतुप् । 1

(ii) 'गन्तव्यः' शब्द में प्रत्यय है

(अ) अनीयर् (ब) तव्यत्

(स) क्त्वा (द) मतुप् । 1

(ख) (i) 'येनाङ्गविकारः' सूत्र के अनुसार विभक्ति लगती है

(अ) द्वितीया (ब) तृतीया

(स) चतुर्थी (द) सप्तमी । 1

(ii) 'षष्ठी शेषे' का निम्न में से उदाहरण है

(अ) हनुमते नमः (ब) सः विद्यालयं प्रति गच्छति्

(स) सुदामा कृष्णस्य मित्रम् आसीत (द) सः कर्णेन बधिरः अस्ति । 1

14. किसी इण्टरमीडिएट कालेज के प्रबन्धक को 'लिपिक' पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन-पत्र लिखिए । 8